विश्व में सबसे ज्यादा ऊँचाई पर चढ़ने वाली फ्युनिकुलर लाइन (केबल रेल) स्विट्ज़रलैण्ड में है। यह ट्रेन श्वीट्स शहर से स्टूस तक जाती है। स्टूस एस्पाइन पहाड़ियों पर 110 मीटर की ऊँचाई पर स्थित एक गांव है, जहां से पहाड़ियों व झरनों के अद्भूत नज़ारे देखे जा सकते हैं। यह गांव कार फ्री है और यहाँ पहुँचने का सर्वश्रेष्ठ जरिया फ्युनिकुलर है। श्वीट्स से यह ट्रेन पहाड़ की सीधी खड़ी चढ़ाई चढ़ती है, और कभी सुरगों से तो कभी खुले में होते हुए अपनी मंजिल, स्टूस गांव तक पहुँचती है। पूरे 14 साल की योजना और निर्माण के बाद इस ट्रेन ने 84 साल पुरानी फ्युनिकुलर की जगह ली है। इसे इंजिनियरिंग का करिश्मा कहा जा रहा है। इसके सिलैण्डर नुमा डिब्बे पूरी यात्रा के दौरान घूमते रहते हैं, पर यात्रियों को ऐसा महसूस भी नहीं होता और चार मिनट की यात्रा में वे सामान्य स्थिति में ही बैठे रहते हैं।

'हर दसवें दिन भारत में एक नया ''यूनिकॉर्न'' स्टार्टअप खड़ा हो रहा है'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, स्टार्टअप के मामले में भारत पूरी दुनिया को ''लीड'' कर रहा है

नई दिल्ली, 28 नवंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत में आज हर 10 दिन में एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप खड़ा हो रहा है, देश स्टार्टअप क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है और यहां की स्टार्टअप कंपनियां वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत कर रही हैं।

मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन मन की बात में देशवासियों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत की विकास गाथा का यह नया मोड़ है। पहले युवकों को नौकरी के लिए प्रेरित किया जाता था और आज अपना रोजगार शुरू करने वालों को सराहना और प्रोत्साहन मिल रहा है। मोदी ने कहा कि उनकी पहली सरकार आने के समय देश में 9-10 यूनिकॉर्न हुआ करते थे। यूनिकॉर्न ऐसी स्टार्टअप कंपनी को कहा जाता है, जिन का मूल्यांकन एक अरब डॉलर या 7000 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा होता है।

- **यूनिकॉर्न, ऐसी स्टार्टअप कंपनी को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर या 7000 करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा होता है।**

उन्होंने कहा कि भारत यूनिकॉर्न के क्षेत्र में आज दुनिया में तेज उड़ान भर रहा है और एक रिपोर्ट के अनुसार देश में इस समय 70 से अधिक स्टार्टअप यूनिकॉर्न की श्रेणी में आ गए हैं। दुनिया का ध्यान इस ओर गया है। यूनिकॉर्न के क्षेत्र में भारत निवेश को आकर्षित कर रहा है तथा देश के युवा वैश्विक समस्याओं के समाधान में योगदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिकॉर्न के क्षेत्र में भारत विश्व का नेतृत्व कर रहा है। आज चारों तरफ स्टार्टअप की चर्चा है। अब छोटे-छोटे शहरों में भी स्टार्टअप कंपनियां खड़ी हो रही हैं। पहले जब कोई युवा अपना काम शुरू करने की बात करता था तो बड़े बुजुर्ग उसे नौकरी की सलाह देते थे और कहते थे कि नौकरी में आराम है, पैसा है, लेकिन आज अपना काम शुरू करने वालों को उनके परिवार और समाज से प्रोत्साहन मिलता है तथा सहायता मिलती है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मयूर नाम के एक युवा उद्यमी से बातचीत की, जिसने पढ़ते हुए अपनी मोटरसाइकिल का माइलेज बढ़ाने और और वाहन प्रदूषण कम करने की प्रौद्योगिकी के विकास पर काम किया। आज वह अपने साथियों के साथ प्रौद्योगिकी का विकास कर चुका है। मयूर ने मोदी को बताया कि उसने अपने चार साथियों के साथ मिलकर जो फिल्टर प्रौद्योगिकी विकसित की है, उससे मोटरसाइकिल का एवरेज 25 किलोमीटर प्रति लीटर से बढ़कर 39 किलोमीटर प्रति लीटर तक पहुंच गया और कार्बन उत्सर्जन में 40 प्रतिशत की कमी आई है। इस प्रौद्योगिकी का प्रयोग उसने सरकारी बसों में किया है।

मयूर ने प्रधानमंत्री के सवालों के जवाब में कहा कि बसों में उत्सर्जन में 35 से 40 प्रतिशत की कमी देखी गई है और ईंधन में भी 10 प्रतिशत की बचत हुई है।

उसने इस प्रौद्योगिकी का पेटेंट कराने के लिए आवेदन कर रखा है और उसे उम्मीद है कि पेटेंट जल्दी मिल जाएगा। उद्यमी ने बताया कि उसे नीति आयोग की अटल इंडिया चैलेंज योजना के तहत अनुदान प्राप्त हुआ है।

मोदी ने कहा कि आज भारत में स्टार्टअप का वातावरण बना है और युवा नौकरी खोजने की जगह, नौकरी देने वाले बन रहे हैं। भारत में आर्थिक वृद्धि की कहानी आज एक निर्णायक मोड़ ले रही है। इससे दुनिया में भारत का प्रभाव बढ़ा है।

अखिलेश को मिलेगा चंद्रशेखर रावण का साथ

लखनऊ, 28 नवम्बर। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण की मुलाकात कल लखनऊ में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से हुई। जिसमें कयास लगाया जा रहा है कि चंद्रशेखर सपा के साथ गठबंधन में जा सकते हैं। अखिलेश यादव सभी छोटे-बड़े दलों के साथ गठबंधन पर जोर दे रहे हैं।

चंद्रशेखर का कहना है कि, लखनऊ में उनकी पार्टी की कोर कमेटी की बैठक चल रही है। कमेटी जो तय करेगी वही हमारा फैसला होगा। यह पूछने पर की आप तो अकेले चुनाव लड़ने वाले थे, तो चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए अगर सभी दल एक साथ एक सार्थक प्रयास से आएं तो प्रदेश और देश के लिए बेहतर होगा। वहीं चंद्रशेखर ने कहा कि राजनीति महज चुनाव जीतना नही है बल्कि आबादी के मुताबिक हिस्सेदारी सुनिश्चित कराना है।

चंद्रशेखर ने कहा कि कांशीराम कहते थे कि सरकार मजबूत नहीं मजबूर होनी चाहिए।

एन.डी.ए. के सहयोगी दल ने सी.ए.ए. निरस्त करने की मांग उठाई

मेघालय की नैशनल पीपुल्स पार्टी ने सर्वदलीय मीटिंग में विपक्षी नेताओं के सामने भाजपा को हैरत में डाल दिया

नई दिल्ली, 28 नवंबर (वार्ता)। संसद के सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले आज यहां नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) के सहयोगी दलों की बैठक में मेघालय की नैशनल पीपुल्स पार्टी (एन.पी.पी.) ने सिटीजनशिप अमैंडमैंट एक्ट (सी.ए.ए.) को खत्म करने की मांग की।

एन.पी.पी. से लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक में यह मुद्दा उठाया। लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, सरकार ने लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा की है, मैंने उनसे पूर्वोत्तर के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सी.ए.ए. को खत्म करने का आग्रह किया है।

- **लोकसभा सांसद अगाथा संगमा ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, सरकार ने जिस तरह से कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा की है, मैंने उनसे पूर्वोत्तर के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सी.ए.ए. को खत्म करने का आग्रह किया है।**
- **अपना दल की सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया।**

सूत्रों ने कहा कि अपना दल की सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया। बैठक में सरकार के सहयोगियों ने संसद के सुचारू संचालन के लिए सरकार को समर्थन देने का आश्वासन दिया।

बैठक के बाद संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार किसी भी विषय पर चर्चा एवं बहस के लिए तैयार है। सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा , हमने विपक्ष से अपील की है कि आप बहस करिए और हम सरकार की ओर से हर मुद्दे पर बहस करके आपको जवाब देना चाहते हैं।

इससे पहले भाजपा की संसदीय कार्यकारिणी दल की बैठक भी हुई। पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सांसदों को सत्र के दौरान उपस्थित रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी विवाद जैसे मुद्दों सहित सभी मुद्दों पर विपक्ष का मुकाबला करने के लिए तैयार है। बैठक में सांसदों को संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों की जानकारी भी दी गई

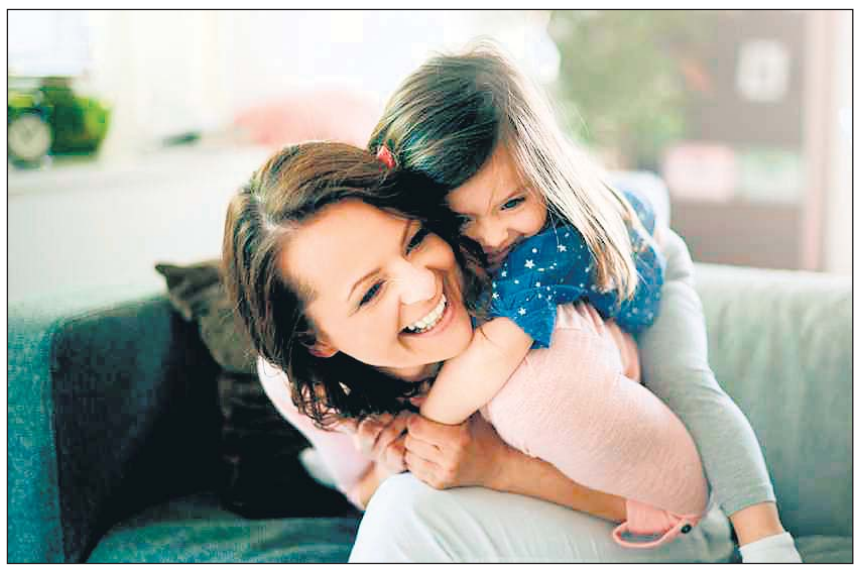

भले ही वे यह बात स्वीकार न करना चाहें, किन्तु यह सच है कि ज्यादातर माता-पिता को उनका कोई एक बच्चा विशेष प्रिय लगता है। अब तो शोधकर्ता भी इस नतीजे पर पहुँच गये हैं कि सबसे छोटी सन्तान के ज्यादा प्रिय होने की सम्भावना अधिक होती है। ब्रिंघम यंग यूनिवर्सिटी के असिस्टैंट प्रोफेसर एलैक्स जैन्सन तथा पैन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर सूजन एम. मैंकहेल, दो बच्चों वाले परिवारों का अध्ययन करके इस नतीजे पर पहुँचे हैं। तथापि, शोधकर्ताओं ने पाया कि सबसे छोटे बच्चे के ज्यादा प्रिय लगने का संबंध माता-पिता की निजी पसंद से नहीं होता, सबसे छोटा बच्चा आमतौर पर प्रिय लगता ही है। ऐसी स्थिति में, सबसे छोटे बच्चे के संबंध माता-पिता से और भी प्रगाढ़ हो जाते हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भी यह निष्कर्ष निकाला था कि 74 प्रतिशत माताओं तथा 70 प्रतिशत पिताओं का किसी एक बच्चे पर विशेष लाड़ होता है।

केंद्रीय नेतृत्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सतीश पूनिया की बात करें तो करोनाकाल में प्रदेशभर में पार्टी के ''सेवा ही संगठन'' अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। रोजाना फील्ड में रहे, अस्पतालों का दौरा किया और लगातार पदाधिकारियों की बैठक लेकर फीडबैक लेते रहे। इस दौरान खुद भी संक्रमण की चपेट में आ गए, जिससे संघर्ष कर परास्त किया और उस दौरान ही पार्टी के दिवंगत नेताओं के निवास स्थानों पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। लेकिन सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि इतने लंबे समय बाद वसुंधरा राजे का शोक संवेदना व्यक्त करने का मकसद संशय पैदा करता है, जिसको लेकर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी सवाल खड़ा कर चुके हैं।

सात करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंडलों में ये नकली नगदी बरामद हुई है।

नकली मुद्रा पाकिस्तान में बनाई गई और श्रीलंका भेजी गई, जहां से उन्हें संगमरमर के कंटेनर में चटोग्राम बंदरगाह ले जाया गया।

असदुज्जमां ने कहा कि आरोपी की पहचान फातेमा अख्तर के रूप में हुई है, जो एक अन्तर्राष्ट्रीय नकली मुद्रा रैकेट का सक्रिय सदस्य है, जिसने पाकिस्तान से नकली मुद्रा एकत्र की और उसे भारत में भेजने की कोशिश की।

ढाका के खिलखेत और डेमरा इलाके से शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय नकली मुद्रा रैकेट के दो लोगों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने फातेमा के घर पर छापा मारा। उन्होंने नकली करेंसी रैकेट के सरगना के रूप में दो पाकिस्तानी नागरिकों सुल्तान और शफी को नामित किया।

त्रिपुरा निकाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए बधाई। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल में महासचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने दावा किया कि त्रिपुरा में केवल दो महीने पहले पहुंची उनकी पार्टी कई सीटों पर दूसरा स्थान प्राप्त करने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब वहां सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा हिंसा की गई।

'मुसलमान देश की सबसे पुरानी पार्टी से अपनापन नहीं महसूस कर पा रहे'

पूर्व केन्द्रीय मंत्री के. रहमान खान ने यह भी कहा कि, इसी बात का खामियाजा कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ रहा है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान ने पार्टी के भीतर खुद को उपेक्षित करार देते हुए रविवार को कहा कि पार्टी मुस्लिम समुदाय से सही लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं दे रही है और अब मुसलमानों को देश के सबसे पुराने दल को लेकर अपनापन महसूस नहीं हो रहा है जिसका खामियाजा पार्टी भुगत रही है। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पदासीन मुस्लिम नेताओं की योग्यता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि राष्ट्रीय संगठन में मुसलमान समुदाय से सही लोगों को जगह नहीं दी गई है।

- **के. रहमान ने ए.आई.सी.सी. में पदासीन मुस्लिम नेताओं की योग्यता पर भी सवाल खड़े किए और दावा किया कि, इस राष्ट्रीय संगठन में मुसलमान समुदाय से सही लोगों को जगह नहीं दी गई है।**
- **''इंडियन मुस्लिमः द वे फॉरवर्ड'' नाम की पुस्तक लिखने वाले 82 वर्षीय रहमान खान ने कहा, देश की 20 करोड़ की आबादी को लगता है कि, उसके नेतृत्व की कोई पहचान नहीं है।**

राज्यसभा के पूर्व उपसभापति ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आजीवन कांग्रेसमैन रहेंगे क्योंकि पार्टी छोड़ना उनके डी.एन.ए. में नहीं है।

उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें हैं कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कर्नाटक में कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है जिसे इन नेताओं को तृणमूल कांग्रेस में शामिल कराने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।

'आंकड़े झूठे हैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल गांधी ने ट्विटर पर 4.31 मिनट का एक वीडियो साझा किया जिसमें गुजरात में करोना वायरस से अपने प्रियजन को खोने वाले परिवार आरोप लगा रहे हैं कि उस वक्त उन्हें सरकार से कोई सहयोग नहीं मिला। उन्होंने ''गुजरात मॉडल'' की भी आलोचना की जिसे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी देश में बेहतर बताती है।

गांधी ने ट्वीट किया, ''कोविड के कारण मरने वाले परिवारों की कहानी सच है, उनका दर्द और उनकी पीड़ा भी सच है। सरकार के आंकड़े गलत हैं। सच्चे आंकड़े बताने होंगे और चार लाख रुपये मुआवजा देना होगा।''एक वीडियो में उन्होंने कहा कि गुजरात मॉडल पर काफी चर्चा होती है लेकिन ''जिन परिवारों से हमने चर्चा की उन्होंने कहा कि उन्हें न तो अस्पतालों में बिस्तर मिला, न ही ऑक्सीजन या वैंटिलेटर।'' कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने दावा किया कि गुजरात सरकार कहती है कि आधिकारिक रूप से केवल दस हजार लोगों की कोविड-19 से मौत हुई लेकिन सच्चाई है कि राज्य में महामारी से तीन लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

एम.एस.पी. की गैरेन्टी देने वाला कानून संसद में लाये सरकार'

किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार को चेतावनी दी कि, एम.एस.पी. के बिना सरकार की कोई बात बनने वाली नहीं है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारतीय किसान यूनियन (भा.कि.यू.) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) की गारंटी देने वाला कानून लाने की मांग की। टिकैत ने यह मांग मुंबई के आजाद मैदान में संयुक्त शेतकारी कामगार मोर्चा (एस.एस.के.एम.) के बैनर तले आयोजित किसान महापंचायत में उठाई।

- **टिकैत ने कहा कि, नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो एम.एस.पी. पर सख्त कानून लाने का समर्थन करते थे।**
- **टिकैत ने कहा कि, अब केन्द्र सरकार किसानों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा से दूर भाग रही है।**

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब एम.एस.पी. का समर्थन किया करते थे और किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रव्यापी कानून चाहते थे। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि अब वह किसानों के लिए महत्वपूर्ण इस मुद्दे पर चर्चा करने से भाग रही है।

टिकैत ने कहा, केंद्र को किसानों को एम.एस.पी. की गारंटी देने के लिए एक कानून लाना चाहिए। कृषि और श्रमिक क्षेत्र के ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है और हम इन मुद्दों को उठाने के लिए पूरे देश में यात्रा करेंगे। उन्होंने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों को आर्थिक मदद देने की मांग भी उठाई।

इससे पहले शनिवार को टिकैत ने कहा था कि सरकार ने अभी तक किसानों की मौत, लखीमपुर खीरी की घटना, एम.एस.पी. पर मुद्दे और किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमों को लेकर कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा था कि हमारी मुख्य मांग एम.एस.पी. पर कानून लाना है। उन्होंने कहा था कि किसानों का आंदोलन अभी भी चलता रहेगा।

केंद्र सरकार की ओर से लाए गए तीन कृषि कानूनों का पूरे देश के किसान विरोध कर रहे थे और लगभग एक साल से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे थे।

कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने इन कानूनों को वापस लेने का एलान किया था। सरकार ने किसानों को मनाने की कई कोशिशें की थीं लेकिन वह इसमें असफल रही थी।

रिलायंस जियो के रिचार्ज प्लान्स भी 20 प्रतिशत मंहगे हुये

जियो ने अपने कुछ पॉपुलर प्लान्स में 480 रु. तक की बढ़ोतरी की है

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया (वी.आई.) ने अपने प्लान्स में 500 रुपये तक की बढ़ोतरी कर अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया था। अब रिलायंस जियो भी इस लिस्ट में शामिल हो गया।

जियो ने रविवार को अपने कुछ चुनिंदा प्रीपेड प्लान्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। जियो ने अपने कुछ पॉपुलर प्लान्स में 480 रुपये तक की बढ़ोतरी कर ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है। नई कीमतें 1 दिसंबर से लागू होंगी। तो चलिए देखते हैं कि अब ग्राहकों को किस प्लान पर कितना अधिक खर्च करना पड़ेगा।

जियोफोन का 75 रुपये वाले प्लान के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 16 रुपये ज्यादा यानी 91 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान की वैलिडिटी 28 दिनों की है। इस अवधि में ग्राहकों को महीनेभर के लिए कुल 3जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और 50 एस.एम.एस. मिलेंगे।

129 रुपये का पैक, 155 रुपए का हुआ- 28 दिनों की वैधता वाले 129 रुपये पैक के लिए 1 दिसंबर से 155 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान में 28 दिनों के लिए डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयल कॉल और कुल 300 एस.एम.एस. मिलेंगे।

149 रुपये का पैक, 179 रुपये का हुआ- 24 दिनों की वैलिडिटी वाले 149 रुपए पैक के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 179 रुपये खर्च करने होंगे। प्लान में 24 दिनों के लिए ग्राहकों को डेली 1 जी.बी. डेटा, अनलिनिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

199 रुपये का पैक, 239 रुपये का हुआ- 28 दिनों की वैलिडिटी वाला 199 रुपए का पैक अब 239 रुपये का हो गया है। प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए डेली 1.5 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

- **गौरतलब है कि, इससे पहले एयरटैल और वोडाफोन-आइडिया भी अपने रिचार्ज प्लान्स में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर चुके हैं।**

249 रुपये का पैक, 299 रुपये का हुआ- 28 दिनों की वैलिडिटी वाला 249 रुपये का पैक, बढ़ोतरी के बाद 299 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

399 रुपये का पैक, 479 रुपये का हुआ- 56 दिनों की वैलिडिटी वाला 399 रुपये का पैक, बढ़ोतरी के बाद 479 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 1.5 जी.बी. डेटा, अनलिमिडेट वॉयस कॉल के साथ डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे।

444 रुपये का पैक, 533 रुपये का हुआ- 56 दिनों की वैलिडिटी वाला 444 रुपए का पैक, बढ़ोतरी के बाद 533 रुपये का हो गया है। इस प्लान में ग्राहकों को डेली 2 जी.बी. डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और डेली 100 एस.एम.एस. मिलेंगे। 329 रुपये का पैक, 395 रुपये का हुआ- 84 दिनों की वैलिडिटी वाला 329 रुपये का पैक के लिए 1 दिसंबर से ग्राहकों को 395 रुपये में मिलेगा। प्लान में कुल 6 जीबी डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और कुल 1000 एस.एम.एस. मिलेंगे।

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो से अब लोगों का मोह भंग होता दिख रहा है क्योंकि सितंबर महीने में 1.90 करोड़ लोगों ने जियो का दामन छोड़ दिया।

इस दौरान तीसरी बड़ी कंपनी वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या भी 10.8 लाख घट गयी जबकि दूसरी बड़ी कंपनी भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या 2.47 लाख बढ़ गयी। दूरसंचार नियामक ट्राई के सितंबर महीने के टेलीफोन उपभोक्ताओं के जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2021 में रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या एक करोड़ 90 लाख 23 हजार 618 कम हो गयी। इसके बाद उसके ग्राहकों की कुल संख्या 4.29 प्रतिशत घटकर करीब 42.5 करोड़ पर आ गयी। इस दौरान वोडा आइडिया के ग्राहकों की संख्या 10 लाख 77 हजार 806 कम होकर अर्थात 0.40 प्रतिशत घटकर करीब 27 करोड़ पर आ गयी है।

ग्राहक आधार पर देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भारती एयरटेल ने सितंबर 2021 में दो लाख 74 हजार 845 नये ग्राहक जोड़ने में सफल रही है।

बंगाल में सड़क...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, नदिया जिले में सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकराने के बाद नदिया जिले में 18 लोगों की मौत और 5 अन्य लोगों के घायल होने की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ।

उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मृतकों और घायलों के परिवार की हर संभव तरीके से मदद करेंगी। हमें सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908